मांग

प्रशासनिक फाइलों में उलझा ग्रामीणों का हक, 188 परिवारों को अब भी पट्टों का इंतजार, सामाजिक कार्यकर्ता सुनील उइके ने बुलंद की आवाज

वन अधिकार पट्टों के लिए दर-दर भटक रहे ग्रामीण

भुआ बिछिया, नवभारत। वर्षों से अपनी ही जमीन पर अधिकार पाने की आस लगाए बैठे ग्राम किसली भीलवानी के सैकड़ों ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सुनील उइके के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में अपनी गुहार लगाई। ग्रामीणों ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, परियोजना प्रशासक और वन विभाग के अधिकारियों को आवेदन सौंपकर वन अधिकार पट्टों के निराकरण की मांग की।

हैरानी की बात है कि लंबे समय से संघर्ष करने के बावजूद आज भी 188 ग्रामीणों को वन अधिकार पट्टा नसीब नहीं हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें केवल आश्वासन दिया जा रहा है, जबकि धरातल पर प्रक्रिया शून्य है। जानकारी अनुसार ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन ग्राम सभा स्तर पर ही लंबित दिखाई दे रहे हैं। जब बिछिया जनपद सीईओ और संबंधित विभाग से संपर्क किया गया, तो वहां से आवेदन भेज दिए जाने की बात कही गई, लेकिन असल में कागजी कार्रवाई अधूरी है।

अधिकारियों की चुप्पी पर उठे सवाल

प्रदर्शन के दौरान आदिवासी कर्मचारी, अधिकारी संघ के अध्यक्ष गजराज सिंह मरावी, पूर्व जनपद सदस्य सुनील उइके, अशोक राजपूत, कमलेश यादव और पूर्व सरपंच दल सिंह टेकाम सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की उदासीनता के कारण उन्हें बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। यदि समय रहते पट्टों का वितरण नहीं किया गया, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे। ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से प्रशासन से मांग की है कि किसली भीलवानी के लंबित दावों का तत्काल निराकरण कर उन्हें मालिकाना हक दिया जाए, जिससे वे शासन की अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकें।

बालई नदी में डूबे युवक का 48 घंटे बाद मिला शव

एसडीआरईएफ की टीम को करनी पड़ी मशक्कत

नारायणगंज। टिकरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत नारायणगंज स्थित बालई नदी में डूबे एक युवक का तीसरे दिन शव मिल गया है। सोमवार दोपहर हुई इस दुखद दुर्घटना के बाद से स्थानीय पुलिस और एसडीआरईएफ की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है, लेकिन युवक का सुराग नहीं मिल पाया है।

जानकारी अनुसार लापता युवक की पहचान सुभाष भलावी 28 वर्ष, निवासी पिंडरई देवलापार, जिला नागपुर के रूप में हुई है। सुभाष भलावी नेशनल हाईवे-30 के निर्माण कार्य में एक श्रमिक के तौर पर काम करता था। बताया गया कि सोमवार को काम खत्म करने के बाद वह अपने साथियों के साथ बालई नदी में नहाने गया था। नहाते समय अचानक वह गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे और एसडीआरएफ प्रभारी सुरेश बंसोड़ के नेतृत्व में तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। मंगलवार को सुबह से लेकर देर शाम तक गोताखोरों ने नदी के हर संभावित हिस्से में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। बुधवार सुबह एक बार फिर नए सिरे से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। जिसके बाद शाम को युवक का शव मिल गया।

प्रशिक्षण के जरिए सखियों को सिखाए विकास के गुर

मोहगांव में प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित

निवास। मप्र जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में विकासखंड निवास के पंचायत भवन मोहगांव में एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। नवांकुर संस्था आदिवासी जनकल्याण विकास संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों और नवांकुर सखियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ ग्राम पंचायत मोहगांव की सरपंच श्रीमती सुनीता उलाड़ी द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यशाला में ग्राम बसगढ़ी, मोहगांव, हीरापुर, जवैधा एवं तौरदरा की समितियों से कुल 32 प्रतिभागियों ने शिरकत की।

संस्था प्रतिनिधि उमा गणेश लोधी ने प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ग्राम स्तर पर जनसहभागिता के माध्यम से सतत विकास सुनिश्चित करना ही इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है। मुख्य प्रशिक्षक एवं परामर्शदाता उत्तम परस्ते ने समितियों की भूमिका और दायित्वों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, नशा मुक्ति और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर समितियों को सक्रिय होने का आह्वान किया।

शासकीय योजनाओं पर दिया जोर

कार्यशाला में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि प्रस्फुटन समितियां ग्रामीणों और सरकार के बीच एक सेतु का कार्य करें, जिससे पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ सुगमता से पहुंच सके। प्रशिक्षण के अंत में सभी 32 प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए नवांकुर संस्था द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संस्था ने सभी जनप्रतिनिधियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

दीवार लेखन से जन-जन तक पहुंचा रहे एचपीवी वैक्सीनेशन का संदेश

आरकेएसके के साथिया और आशा कार्यकर्ताओं ने संभाली कमान

नारायणगंज। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत नारायणगंज विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी कड़ी में आरकेएसके के साथिया दल द्वारा मास्टर ट्रेनर्स और आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से ग्रामों में दीवार लेखन का कार्य किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण के प्रति जागरूकता लाई जा सके।

आरकेएसके काउंसलर नीलम पटेल ने बताया कि विकासखंड नारायणगंज के ग्रामों में दीवार लेखन के माध्यम से बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ग्राम चौकी में आयोजित इस गतिविधि में मास्टर ट्रेनर कमलेश पावले, साथिया दुर्गेश सिंगरोरे, रेशमा सोयाम और आशा कार्यकर्ता रजिया मरावी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

क्या है एचपीवी वैक्सीनेशन का उद्देश्य

विशेषज्ञों के अनुसार एचपीवी वैक्सीन किशोरियों को भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के खतरे से बचाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस वैक्सीन को लेकर किसी भी प्रकार का भ्रम न रहे, इसके लिए आरकेएसके की टीम लगातार मैदानी स्तर पर कार्य कर रही है। सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख दीवारों पर लिखे गए स्लोगन के माध्यम से अभिभावकों को भी अपनी बेटियों का समय पर टीकाकरण कराने का संदेश दिया जा रहा है।

वैक्सीनेशन को लेकर एसडीएम ने ली प्राचार्यों की बैठक, तय समय पर लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश

नैनपुर। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर ने विकासखंड के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों और छात्रावास अधीक्षिकाओं की बैठक ली।

बैठक के दौरान एसडीएम श्री ठाकुर ने स्पष्ट किया कि बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए एचपीवी टीकाकरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने निर्देश दिए कि वैक्सीनेशन का कार्य पूरी तरह समयबद्ध होना चाहिए ताकि कोई भी पात्र बालिका इस सुरक्षा चक्र से वंचित न रहे। उन्होंने प्राचार्यों को निर्देशित किया कि वे अपने संस्थान के प्रत्येक स्तर पर माइक्रो-प्लानिंग करें। बैठक में बीएमओ राजीव चावला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं बीआरसी सहित अन्य संबंधित शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कॉलोनाइजर के कब्जे से मुक्त हुई 0 .160 हेक्टेयर सरकारी जमीन

ग्राम निवारी में प्रशासन का एक्शन, एसडीएम के निर्देश पर हुई बड़ी कार्रवाई

नैनपुर। नैनपुर के ग्राम निवारी में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आशुतोष महादेव ठाकुर के निर्देशन में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सरकारी जमीन को अतिक्रमणकारियों के कब्जे से मुक्त कराया।

जानकारी अनुसार ग्राम निवारी स्थित खसरा नंबर 434 कुल रकबा 0.845 हेक्टेयर में से लगभग 0.160 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर कॉलोनाइजर चंद्रकांत गढ़ेवाल द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था। उक्त भूमि पर बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था और नाली निर्माण का कार्य भी शुरू हो चुका था।

जेसीबी से ढहाया गया निर्माण

मामले की शिकायत और पुष्टि होने के बाद तहसीलदार हरि सिंह धुर्वे की उपस्थिति में राजस्व अमला मौके पर पहुंचा। टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध निर्माणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि बिना अनुमति के कॉलोनी का निर्माण और शासकीय भूमि पर कब्जा करना कानूनन अपराध है, जिस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन की अपील

एसडीएम आशुतोष महादेव ठाकुर ने आम नागरिकों और कॉलोनाइजरों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के निर्माण से पहले वैध प्रशासनिक अनुमति अवश्य लें। जिले में अवैध कॉलोनियों पर नकेल कसने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक पुरुषोत्तम शिव, हल्का पटवारी आशीष उईके सहित राजस्व विभाग का अन्य अमला और पुलिस बल मौजूद रहा।

आत्मनिर्भरता का संकल्प लेकर लौटीं महिलाएं

20 गांवों की स्व-सहायता समूह की दीदियां हुईं शामिल

मवई। सामुदायिक भवन मवई में उद्योगिनी संस्था द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के कार्यक्षेत्र के लगभग 20 गांवों से स्व-सहायता समूह की दीदियों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर दीदियों के कार्यों और उनकी संघर्षपूर्ण उपलब्धियों पर आधारित एक विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गई। फिल्म को देखकर उपस्थित महिलाओं में अभूतपूर्व उत्साह और

आत्मविश्वास का संचार हुआ।

विभागीय योजनाओं की दी जानकारी-महिला एवं बाल विकास विभाग के ब्लॉक परियोजना अधिकारी ओंकार सिंह मसराम एवं आजीविका परियोजना के ब्लॉक समन्वयक राकेश जागेला ने विभाग की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार महिलाएँ और बच्चे शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर आर्थिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ हो सकते हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां-कार्यक्रम में दीदियों ने पारंपरिक करमा, दरिया, लोकगीत और नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विशेष बात यह रही कि कई गाँवों से महिलाएँ अपने स्वयं के खर्च पर इस आयोजन का हिस्सा बनने पहुँचीं। उत्साह का आलम यह था कि कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों और समूह की दीदियों ने छत्तीसगढ़ी गीतों पर सामूहिक नृत्य कर महिला दिवस का जश्न मनाया।

इनकी रही उपस्थिति-आयोजन में फील्ड सुपरवाइजर सुलोचना सियाम, रविता कुड़पे और उद्योगिनी संस्था के परियोजना समन्वयक अमित पटेल, संदीप श्रीवास, नरेश गायकवाड़, सरोज पड़वार, नरेश पड़वार, परमेश्वरी सोनवानी सहित बड़ी संख्या में संस्था कार्यकर्ता और समूह की सदस्य उपस्थित रहीं। अंत में विभागीय अधिकारियों ने सफल आयोजन के लिए उद्योगिनी संस्था की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

मातम के बीच चोरी : भाई की मौत पर मायके आई बहन के घर लाखों की सेंध

बाबा टोला ठक्कर ग्राम में हुई चोरी की घटना

नवभारत, जबलपुर। हनुमानताल थाना अंतर्गत बाबा टोला ठक्कर ग्राम में एक ओर परिवार अपने जवान बेटे की मौत का मातम मना रहा था वहीं भाई की मौत पर मायके आई बहन के घर चोरों ने लाखों की सेंध लगा दी। शातिर चोरों ने सूने घर को निशाना बनाकर जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नागपुर निवासी गीतांजलि सतनामी अपने भाई पवन सतनामी के निधन पर मायके आई हुई थीं। बीती रात करीब 8 बजे वह अपनी मां सुषमा और भाई कुंदन के साथ रांझी स्थित अपनी नानी के घर गई थीं। घर पर ताला लगा हुआ था। अज्ञात चोरों ने बाउंड्री का ताला तोड़ा और घर के भीतर दाखिल हो गए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब गीतांजलि वापस लौटीं, तो मुख्य द्वार का ताला टूटा देख उनके होश उड़ गए। अंदर कमरे में रखी दोनों अलमारियों के ताले टूटे थे और कीमती सामान बिखरा पड़ा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि चोर एक लाख रुपये नगद और सोने-चांदी के पुश्तैनी जेवरात ले उड़े हैं। चोरी गए गहनों की कुल कीमत लाखों में बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

क्षमता से अधिक सामान लेकर यात्रा नहीं करें !

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर रेल डिवीजन ने ट्रेनों में यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को चेतावनी दी है कि यदि यात्राके दौरान क्षमता से अधिक सामान मिला तो उन पर पेनल्टी लगाई जा सकती है। डिवीजन के मुताबिक ऐसेयात्रियों की सघन चेकिंग करने के लिए टीटीई स्टाफ को अलर्ट कर दिया गया है। गौरतलब है कि डिवीजन केचेकिंग स्टाफ ने पहले चेकिंग करके कई यात्रियों पर जुर्माना लगाया है। जबलपुर डिविजन ने एक ट्वीट कियाजिसमें स्पष्ट बताया है कि इससे अन्य यात्रियों को परेशानी हो सकती है। मालूम हो कि रेलवे के नियमानुसार 40 किलो से अधिक वजन लेकर यात्रा करने वाले यात्री स्वत लगेज बुक कर लें, अन्यथा सफर के दौरान परेशानी मेंपड़ सकते हैं।

मूल्यांकन

डीपीसी ने दिए शिक्षकों को समय पर केंद्र पहुंचने के निर्देश

उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

नवभारत,जबलपुर। जिला जबलपुर में कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षाओं के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन कर विकासखंड स्तर पर मूल्यांकन के लिए भेजा गया है। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार यह प्रक्रिया जन शिक्षा केन्द्रों से पूरी तरह व्यवस्थित तरीके से संपन्न की गई है। जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा ने बताया कि मुख्य मूल्यांकनकर्ता और मूल्यांकन कर्ताओं को प्रतिदिन निर्धारित समय पर मूल्यांकन केंद्र पहुंचकर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी शिक्षकों से अपेक्षा की गई है कि वे समय का पालन करें और मूल्यांकन कार्य में देरी न होने दें।

अनुपस्थिति और लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

शहरी मूल्यांकन केंद्रों में धीमी प्रगति पर डीपीसी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मूल्यांकन कार्य से अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी मूल्यांकनकर्ताओं को समय पर केंद्र पर उपस्थित रहने का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य है।

उसी दिन करनी होगी अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि

जानकारी के अनुसार मूल्यांकन के बाद शिक्षकों को अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि उसी दिन करनी होगी, जिसकी जांच मुख्य मूल्यांकनकर्ता द्वारा की जाएगी। डीपीसी ने बताया कि सत्र 2024-25 के मूल्यांकनकर्ताओं के भुगतान के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा बजट जारी कर दिया गया है। जल्द ही संबंधित शिक्षकों के बैंक खातों में यह राशि जमा कर दी जाएगी।

दसवीं- बारहवीं की 36 हजार उत्तर पुस्तिकाएं चेक

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं समाप्त हो चुकी हैं, परीक्षा के मध्य से ही इनका मूल्यांकन शुरू हो चुका था। जिसका कार्य लगातार जारी है और सभी शिक्षक दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के उत्तर पुस्तिकाओं का लगातार मूल्यांकन कर रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अभी तक दोनों की कक्षाओं में मिलाकर लगभग 36 हजार उत्तर पुस्तिकाओं की जांच हो चुकी है। जिसमें दसवीं कक्षा में अभी तक 28303 एवं बारहवीं कक्षा में 7526 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूर्ण हो चुका है।